INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VI(2nd lang.)	**Department: Hindi**	
Worksheet No: 11	**Topic: Paragraph Worksheet**	**Note: Pl. file in portfolio**

प्र1 - निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर दीजिए :-

झगड़ा तो किसी में भी हो सकता है । चाहे मनुष्य हो या पशु- पक्षी , पति- पत्नी हों या बच्चे , भाई -बहन हों या मित्र। कहा भी गया है - दो बर्तन हों तो आपस में टकराते ही रहते हैं । झगड़े होते हैं और फिर झगड़ों के बाद सुलह भी हो जाती है और आपस में फिर सब मिलजुलकर रहने लगते हैं। इसी तरह से जिंदगी आगे बढ़ती रहती है । अगर समाज में रहना है तो मिलजुलकर रहना चाहिए। परंतु आप देखें स्वार्थी लोगों के साथ क्या होता है - ऐसे लोगों के लिए कोई भी रास्ता नहीं बचता। स्वार्थी लोगों को दुनिया जल्दी पहचान जाती है और ऐसे लोगों का साथ कोई नहीं देता।

एक बार पशुओं और पक्षियों में झगड़ा हो गया। चमगादड़ों ने इस लड़ाई में किसी का भी साथ नहीं दिया। वे मन ही मन सोचने लगे कि हम पक्षियों की तरह उड़ सकते हैं तो पक्षी दल में शामिल हो सकते हैं। हम अंडे नहीं देते इसलिए पशु दल में भी शामिल हो सकते हैं। चमगादड़ों के मन में चालाकी आ गई। उन्होंने सोचा कि, “जो भी दल जीतेगा , हम उसी में शामिल हो जाएँगे”।

पशुओं और पक्षियों के युद्ध में एक बार लगने लगा कि पशु जीत जाएँगे। पशुओं को जीतता देखकर चमगादड़ पशु - दल में शामिल हो गए। उसके बाद थोड़ी ही देर में जब बाजी पलट गई और पक्षी दल जीतने लगे यह देखकर चमगादड़ जल्दी ही पशु- दल को छोड़कर पक्षी- दल में शामिल हो गए।

कुछ दिनों बाद पशुओं और पक्षियों ने आपस में समझौता कर लिया जिस कारण उन्होंने युद्ध समाप्त करने की घोषणा कर दी और वे आपस में एक-दूसरे के मित्र बन गए। दोनों ने ही चमगादड़ों को अपने दल से हटा दिया। स्वार्थी चमगादड़ बिल्कुल अकेले रह गए।

शर्म के मारे सभी चमगादड़ अँधेरे कोटरों में छिप गए। तब से ही वे सारे दिन शर्म के मारे अँधेरे कोटरों में ही छिपे रहते हैं। अँधेरा होने पर ही वे अपने कोटरों से बाहर निकलते हैं। इस प्रसंग से हमें यह सीख मिलती है कि स्वार्थी लोगों से बचकर रहना चाहिए ऐसे लोग किसी के भी मित्र नहीं होते।

प्रश्न - 1 - झगड़ा किन सबके के बीच हो सकता है ?
उत्तर - झगड़ा तो किसी में भी हो सकता है । चाहे मनुष्य हों या पशु- पक्षी, पति-पत्नी हों या बच्चे , भाई -बहन हों या मित्र।

प्रश्न - 2 - स्वार्थी लोगों के साथ क्या होता है ?

उत्तर - स्वार्थी लोगों के लिए कोई भी रास्ता नहीं बचता। ऐसे लोगों को दुनिया जल्दी पहचान जाती है और उनका साथ कोई नहीं देता।

प्रश्न- 3 - एक बार किन-किन के बीच झगड़ा हो गया था ? इस लड़ाई में चमगादड़ों ने किस का साथ दिया था ?

उत्तर - एक बार पशुओं और पक्षियों में झगड़ा हो गया था। चमगादड़ों ने इस लड़ाई में किसी का भी साथ नहीं दिया।

प्रश्न -4- चमगादड़ों के मन में क्या चालाकी आ गई ?
उत्तर - चमगादड़ों के मन में यह चालाकी आ गई कि हम पक्षियों की तरह उड़ने के कारण पक्षी दल में तथा अंडे न देने के कारण पशु दल में भी शामिल हो सकते इसलिए, “जो भी दल जीतेगा , हम उसी में शामिल हो जाएँगे”।

प्रश्न - 5 - जब बाजी पलट गई तो चमगादड़ों ने क्या किया ?
उत्तर - जब बाजी पलट गई और पक्षी दल जीतने लगे यह देखकर चमगादड़ जल्दी ही पशु- दल को छोड़कर पक्षी- दल में शामिल हो गए।

प्रश्न - 6 - पशुओं और पक्षियों के आपस में समझौता करने के कारण क्या हुआ ?
उत्तर - पशुओं और पक्षियों के आपस में समझौते के कारण उन्होंने युद्ध समाप्त करने की घोषणा कर दी और वे आपस में एक दूसरे के मित्र बन गए।

प्रश्न - 7 - इस प्रसंग से हमें क्या सीख मिलती है ?
उत्तर - इस प्रसंग से हमें यह सीख मिलती है कि न तो स्वार्थी बनना चाहिए और न ही स्वार्थी लोगों के साथ रहना चाहिए । ऐसे लोग किसी के भी मित्र नहीं होते।